Aggression

Dr. Meena Dive, R.M. Co
Dpt of → psychology
class → B A I (H) / II

5.5.20

Ques → What do you mean by aggression? Describe the determinants of aggression.

आक्रमकता से आप क्या समझते हैं? आक्रमकता को प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन करें।

Ans → हम सभी के व्यवहार में आक्रमकता कुछ न कुछ मात्रा में पायी ही जाती है। आक्रमकता एक प्रकार का वह व्यवहार है जिसका उद्देश्य दूसरों को नुकसान पहुँचाना होता है।
आक्रमकता में जब हथियारों का विशेष रूप से स्वतन्त्रता हथियारों का उपयोग किया जाता है तो आक्रमक व्यवहार हिंसा का रूप धारण कर लेता है। यही आक्रमणात्मक विनाश को कगार पर ले जाता है।
इस प्रकार का आक्रमकता पर हर व्यक्ति को नियंत्रण करना चाहिए एवं प्रत्येक व्यक्ति को इस मानव हित के कल्याण में भागी होना चाहिए।

1. बैरन तथा बाइरनी (1994) → ने आक्रमकता को परिभाषित करते हुए कहा है कि "आक्रमकता वह व्यवहार है जिसका उद्देश्य दूसरे जीवित प्राणियों को नुकसान पहुँचाना है जिससे दूसरे प्राणी बचाने का प्रयास करता है।"

2. मायर्स (1996) → ने आक्रमकता को परिभाषित करते हुए कहा है - "आक्रमकता वह शारीरिक व्यवहार है जो किसी व्यक्ति को आघात पहुँचाने के उद्देश्य से किया जाता है।" इस परिभाषा से यह निष्कर्ष निकलता है कि आक्रमकता व्यक्ति का व्यवहार करने वाले व्यक्ति का लक्ष्य व्यक्ति को चोट पहुँचाना है।

वास्तविकता यह है कि आक्रमक व्यवहार एक अति खतरनाक व्यवहार है।

P.T.O

Determinants of Aggression →

आक्रमकता को प्रभावित करने वाले कारकों को निम्नलिखित ढंग से दर्शाया गया है—

(1) शारीरिक और वाचिक आक्रमण (Verbal & Physical Attack) → मौखिक छेड़छाड़ की अपेक्षा शारीरिक छेड़छाड़ आक्रमक व्यवहार को अधिक उत्पन्न करता है इससे आक्रमकता आक्रमकता को जन्म देती है जब हम आक्रमकता को इस रूप में समझेंगे कि कोई व्यक्ति एक व्यक्ति से आक्रमकता की प्रवृत्ति रखता है तो क्या दूसरा व्यक्ति उसे जवाबी रूप से आक्रमकता का रूप अपनाना स्वभाविक ही तो है इसी को ही तो शारीरिक एवं वाचिक आक्रमण कहते हैं।

2 संचार साधन (Communication media) रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा में Models को जिस प्रकार का आक्रमक व्यवहार करता देखता एक व्यक्ति देखता है तो वह भी उसी मॉडल के आक्रमक व्यवहार का अनुकरण कर लेता है।
प्रौढ़ व्यक्ति की अपेक्षा नौजवानों और किशोरों को इस प्रकार का व्यवहार सर्वाधिक प्रभावित करता है।

3 सेक्स (Sex) → इस आक्रमकता में स्त्रियों की अपेक्षा पुरूषों में आक्रमकता का व्यवहार अधिक मात्रा में पाया जाता है।

4 मादक द्रव्यों का प्रभाव → Impact of drugs
जब कुछ मादक द्रव्यों का सेवन कोई व्यक्ति करता है तो उसकी क्रियाशीलता और शक्ति अस्थाई रूप से मादक द्रव्यों के कारण बढ़ जाती है मादक द्रवों के सेवन से व्यक्ति ज्यादा क्रियाशील हो जाता है व्यक्ति पर आक्रमण करने की प्रवृत्ति हो जाती है।

Scanned with CamScanner

(5) कुण्ठा (Frustration) आक्रामकता और कुण्ठा से सम्बन्धित जो मनोवैज्ञानिक अध्ययन हुए हैं उनमें आक्रमक व्यवहार का एक मुख्य कारण कुण्ठा है। कुण्ठा का स्तर जब अधिक होता है तब आक्रमक व्यवहार की सम्भावना अधिक होती है।

(6) — परिस्थिति (Situation) →

आक्रमक व्यवहार बहुधा व्यक्ति किसी परिस्थिति विशेष में ही करता है। जब वह देखता है ऐसा प्रकार का व्यवहार करने से उसका काम बन जाएगा उसी परिस्थिति में वह आक्रमक व्यवहार करता है।

(7) तापमान एवं कोलाहल (Temprature and Noise) → वातावरण में तापमान वृद्धि से तनाव में वृद्धि होती है और तनाव से आक्रमकता की उत्पत्ति होती है।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि आक्रमकता के कई कारण हैं अतः आक्रमकता की उत्पत्ति में कई कारकों का हाथ होना स्वभाविक होता है।

Scanned with CamScanner